First Drone Flying School Established at ITI Shahpur

Virtual MOU Singing Ceremony

In the auspicious presence of Dr. Rajneesh, Principal Secretary (IT, Education, Technical Education) a Memorandum of Understanding (MoU) was signed on dated 05.03.2022 between Department **of Technical Education, Government of Himachal Pradeshthrough Sh Vivek Chandel Director Technical Education** and Sh. Krishnendu Gupta,Director,**Indira Gandhi Rashtriya Uran Akademi (IGRUA),** an autonomous body functioning under Ministry of Civil Aviation, Government of India, toset up of flying school for drone training in the State for training of the Pilot(s) of the State Govt. Officials and general public and to provide the employment opportunities to the youth of the State.

Sh. Lalit Vikram Gautam Deputy Secretary Technical Education and Sh. Chirag Sharma, drone training provider, were also present.

Department of Technical Education has provided a land parcel of Govt. ITI Shahpur, Distt. Kangra along with an adjoining building structure for ground training and one room for setting up of simulator for training of the candidates.

IGURA has offered special 15% discount to the 100 Government employees of Himachal Pradesh in three years and 100 students/ trainees studying in Govt. Technical Training/Educational Institutes of Himachal Pradesh belonging to BPL Category in three years for Category 1, Small, Multi-rotor Training on rates of Rs. 55,000/- plus 18% GST.

Drones facilities will be used in the following areas:

- Search and rescue.
- Surveillance.
- Traffic monitoring.
- Weather monitoring.
- Firefighting.
- Personal use.
- Drone-based photography.
- Videography.
- Supply of Medicine
- Agriculture

Media coverage

ड्रोन फ्लाइंग स्कूल को एमओयू साइन

शाहपुर में खुलेगा पहला स्कूल, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी के बीच समझौता

स्टाफ रिपोर्टर – शिमला

प्रदेश में शाहपुर में पहला ड्रोन प्रशिक्षण स्कूल खुलेगा। प्रधान सचिव सूचना प्रौद्योगिकी शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा डा. रजनीश ने बताया कि हिमाचल प्रदेश में ड्रोन प्रशिक्षण के लिए पहला फ्लाइंग स्कूल कांगड़ा जिला के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान शाहपुर में स्थापित किया जाएगा। इसके लिए तकनीकी शिक्षा निदेशक विवेक चंदेल और केंद्रीय नागरिक विमानन मंत्रालय की स्वायतशासी संस्था इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी के मध्य एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने वर्ष 2022-23 के बजट संबोधन में राज्य में चार ड्रोन फ्लाइंग स्कूल स्थापित करने की घोषणा की है। प्रदेश में ड्रोन सुविधा का उपयोग दवाइयों की आपूर्ति, कृषि, वानिकी, राहत एवं बचाव, निगरानी, यातायात व मौसम संबंधी निगरानी, अग्निशमन, व्यक्तिगत उपयोग ड्रोन आधारित फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी में किया जा सकेगा। तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान शाहपुर में उम्मीदवारों को जमीनी प्रशिक्षण के लिए भूमि और भवन तथा सिम्यूलेटर की स्थापना को कमरा उपलब्ध करवाया गया है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी ने राज्य के 100 सरकारी कर्मचारियों को तीन वर्षों के लिए 15 प्रतिशत विशेष रियायत प्रदान करने और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययनरत बीपीएल श्रेणी के 100 छात्रों एवं प्रशिक्षुओं को तीन वर्षों के लिए श्रेणी एक, लघु, मल्टीरोटर प्रशिक्षण 55 हजार रुपए व 18 प्रतिशत जीएसटी की दरों पर प्रदान करने का प्रस्ताव दिया है। इस अवसर पर उप सचिव तकनीकी शिक्षा ललित विक्रम गौतम अतिरिक्त निदेशक आईटी राजीव शर्मा व ड्रोन प्रशिक्षक चिराग शर्मा भी उपस्थित थे।

शाहपुर में खुलेगा प्रदेश का पहला ड्रोन फ्लाइंग स्कूल

राज्य ब्यूरो, शिमला : प्रधान सचिव (सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा) डा. रजनीश ने बताया कि हिमाचल प्रदेश में ड्रोन प्रशिक्षण के लिए पहला फ्लाइंग स्कूल कांगड़ा जिला के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान शाहपुर में स्थापित किया जाएगा। इसके लिए शनिवार को तकनीकी शिक्षा निदेशक विवेक चंदेल और केंद्रीय नागरिक विमानन मंत्रालय की स्वायत्तशासी संस्था इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी के मध्य एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

यह संस्थान सरकारी कर्मचारियों के साथ लोगों को भी ड्रोन के उपयोग के बारे में मार्गदर्शन करेगा। इससे प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। डा. रजनीश ने बताया कि मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने वर्ष 2022-23 के बजट संबोधन में प्रदेश में चार ड्रोन फ्लाइंग स्कूल स्थापित करने की घोषणा की है।

कवायद | शाहपुर आईटीआई में ड्रोन प्रशिक्षण स्कूल खोलने की तैयारियां तेज

सूबे का पहला फ्लाइंग स्कूल स्थापित करने के लिए शिमला में हुआ करार

अमर उजाला ब्यूरो

सरकारी कर्मचारियों के साथ आम लोगों को भी ड्रोन के उपयोग का मिलेगा मार्गदर्शन

युवाओं के लिए खुलेंगे रोजगार के नए द्वार, चार और स्कूल खोलने की भी है योजना

शिमला। जिला कांगड़ा के शाहपुर आईटीआई में ड्रोन प्रशिक्षण स्कूल खोलने की तैयारियां तेज हो गई हैं। प्रदेश का पहला फ्लाइंग स्कूल स्थापित करने के लिए शनिवार को राज्य सचिवालय शिमला में समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित हुआ। सरकारी कर्मचारियों के साथ आम लोगों का भी ड्रोन के उपयोग के बारे में यहां मार्गदर्शन मिलेगा। युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार भी खुलेंगे। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने प्रदेश में चार और फ्लाइंग स्कूल खोलने की भी घोषणा की है।

प्रधान सचिव सूचना प्रौद्योगिकी और तकनीकी शिक्षा डॉ. रजनीश ने बताया कि हिमाचल प्रदेश में ड्रोन प्रशिक्षण के लिए पहला फ्लाइंग स्कूल कांगड़ा जिले के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान शाहपुर में स्थापित किया जाएगा। इसके लिए शनिवार को तकनीकी

शिक्षा निदेशक विवेक चंदेल और केंद्रीय नागरिक विमानन मंत्रालय की स्वायतशासी संस्था इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी के मध्य एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

प्रदेश में ड्रोन सुविधा का उपयोग दवाइयों की आपूर्ति, कृषि, वानिकी, राहत एवं बचाव, निगरानी, यातायात व मौसम संबंधी निगरानी, अग्निशमन, व्यक्तिगत उपयोग, ड्रोन आधारित फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी में किया जा सकेगा। यह प्रदेश में संसक्त, स्वचालित और तीव्र संभार तंत्र की सुविधा भी देगा। तकनीकी शिक्षा विभाग राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान शाहपुर में उम्मीदवारों को जमीनी प्रशिक्षण के लिए भूमि और भवन तथा सिम्यूलेटर की स्थापना के लिए एक कमरा उपलब्ध करवाया गया है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी ने राज्य के 100 सरकारी कर्मचारियों को तीन वर्षों के लिए 15 प्रतिशत विशेष रियायत देने का फैसला लिया है।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययनरत बीपीएल श्रेणी के 100 छात्रों एवं प्रशिक्षुओं को तीन वर्षों के लिए प्रशिक्षण 55 हजार रुपये और 18 प्रतिशत जीएसटी की दरों पर देने का प्रस्ताव दिया है।